लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि. भूमि
दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 7-8

हकृवि के मलिक जाएंगे दक्षिण कोरिया

कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य छात्र के साथ। फोटो हरिभूमि

- मेधावी छात्रों, स्वयंसेवको एवं राजनेताओं को कोरिया की सभ्यता जानने का मौका मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदोस की इस उपलब्धता पर बधाई दी और भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहाँ की सभ्यता को जानने का मौका मिला।

वहाँ रहते हुए उन्होंने दक्षिण कोरिया के अनेकों शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान, उलसान, इत्यादि का भ्रमण किया। हकृवि के फिरदोस ने राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. भगत सिंह के नेतृत्व में अनेकों गतिविधियों जैसे दिल्ली जनपथ पर आयोजित होने वाली वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड, वार्षिक शिविर, पोलियों कैंप, स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इन उपलब्धियों के कारण उन्हें भारत के दल में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

स्वयंसेवक फिरदोस ने भारतीय संस्कृति के रंग बिखेरते हुए वंदे मातरम का गान भी किया। फिरदोस ने दोनों देशों के बीच संबंध एवं आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए प्रस्तुति भी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी, अमर उजाला

दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं 4, 2 कॉलम 7-8, 3-4

हकृवि के स्वयंसेवक मलिक ने जानी दक्षिण कोरिया की सभ्यता

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य छात्र के साथ।

हिसार, 28 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदोस को भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहां की सभ्यता को जानने का मौका मिला। वहां रहते हुए उन्होंने दक्षिण कोरिया के अनेक शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान, उलसान, इत्यादि का भ्रमण किया।

एचएयू के छात्र मोहम्मद फिरदोस को दक्षिण कोरिया की संस्कृति का जानने का मिला मौका

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने फिरदोस की इस उपलब्धि पर बधाई दी। बता दें कि इस कार्यक्रम के तहत देशभर से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहां की सभ्यता को जानने का मौका मिला।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......
दिनांक...29.1.2020... पृष्ठ सं....2.... कॉलम....5-6...

एचएयू के छात्र मोहम्मद फिरदौस मलिक का कोरिया से लौटने पर किया स्वागत

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदौस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदौस की इस उपलब्धता पर बधाई दी और भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहां की सभ्यता को जानने का मौका मिला। वहां रहते हुए उन्होंनें दक्षिण कोरिया के अनेकों शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान, उलसान, इत्यादि का भ्रमण किया। एचएयू के फिरदौस ने राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. भगत सिंह के नेतृत्व में अनेकों गतिविधियों जैसे दिल्ली जनपथ पर आयोजित होने वाली वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड, वार्षिक शिविर, पोलियो कैंप, स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 28.1.2020 पृष्ठ सं 4 कॉलम 7-8

हकृवि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक फिरदोस मलिक को दक्षिण कोरिया में आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का मिला अवसर

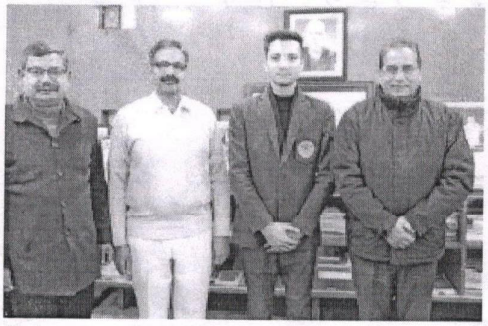

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदोस की इस उपलब्धता पर बधाई दी और भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहां की सभ्यता को जानने का मौका मिला। वहां रहते हुए उन्होंने दक्षिण कोरिया के अनेकों शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान, उलसान, इत्यादि का भ्रमण किया। हकृवि के फिरदोस ने राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. भगत सिंह के नेतृत्व में अनेकों गतिविधियों जैसे दिल्ली जनपथ पर आयोजित होने वाली वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड, वार्षिक शिविर, पोलियो कैंप, स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इन उपलब्धियों के कारण उन्हें भारत के दल में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। स्वयंसेवक फिरदोस ने भारतीय संस्कृति के रंग बिखेरते हुए वंदे मातरम का गान भी किया। फिरदोस ने दोनों देशों के बीच संबंध एवं आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए प्रस्तुति भी दी ।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम वीर भूमि
दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं 12 कॉलम 2-6

टिड्डी दलों से निपटने के लिए कृषि विभाग अलर्ट

टिड्डी के प्रकोप को देखते हुए जिलास्तर पर हेल्प डेस्क नंबर जारी

- डॉ. फोगाट ने कहा, अगर किसी किसान को टिड्डी दिखे तो हेल्प डेस्क पर सुचना दें

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में फसलों पर टिड्डी के प्रकोप को देखते कृषि विभाग व प्रशासन अलर्ट हो गया है। टिड्डी से संबंधित सूचना के लिए जिला स्तर पर हेल्प डेस्क नंबर 01662-225715 स्थापित किया गया है।

पौध संरक्षण अधिकारी डॉ. अरूण कुमार यादव को जिलास्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके मोबाइल नंबर 92158-09009 पर किसान टिड्डी दल के बारे में सूचना दे सकते हैं। बता दें कि टिड्डी के प्रकोप से पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बिकानेर, जैसलमेर आदि जिलों फसलों पर प्रभाव देखने को मिला है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, जिसका किसी व्यक्ति विशेष से कोई सरोकार नहीं है।

कीट विज्ञान के अध्यक्ष व अन्य सिरसा जिलें के किसानों के साथ।

टिड्डी के प्रति सचेत रहें : डॉ. फोगाट

कृषि उपनिदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने बताया कि किसी भी किसान या अन्य किसी व्यक्ति को टिड्डी नजर आती है तो उसकी सूचना संबधित कृषि विकास अधिकारी के हेल्प डेस्क नंबर पर दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

इसके लिए किसानों को कुछ सुझाव, उपाय एवं सावधानियां बरतनी होंगी। इसको सावधानी पूर्वक अपना कर प्राकृतिक आपदा से निपटने में अपना सहयोग दें। किसान अपने क्षेत्र में टिड्डी के प्रति सचेत रहें। टिड्डी का प्रकोप अगर आपके क्षेत्र में आता है तो आप तुरंत इसकी सूचना टिड्डी नियत्रंण विभाग के नंबर पर दर्ज करवाएं।

टिड्डी दल से ऐसे करें बचाव

कीटनाशक स्प्रे टिड्डी दल के ठहराव के समय ही करें तथा हवा की दिशा में ही स्प्रे करें। टिड्डी नियंत्रण विभाग द्वारा दवा का स्प्रे केवल पड़त, ओरण, गोचर एवं असिंचित क्षेत्रों पर ही किया जाएगा, क्योंकि यह स्प्रे बहुत ही उच्चस्तर का कीटनाशक है जो सिंचित क्षेत्र के लिए प्रतिबंधित है। सिंचित क्षेत्र के लिए किसान निर्धारित मात्रा में क्लोरेपायरिफॉस 20 प्रतिशत ईसी, क्लोरेपायरिफॉस 50 प्रतिशत ईसी, डेल्टामेथलिन 2.8 प्रतिशत ईसी तथा लेम्बडासायलोथिन 5 प्रतिशत ईसी किटनाशकों में से किसी भी एक को निर्धारित मात्रा में पानी के घोल के साथ टिड्डी प्रभावित क्षेत्र में स्प्रे करवाएं।

टिड्डी की संख्या नाममात्र ही, स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड्डी दल के बारे में सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चट्ठा गांव में गिने चुने खेतों में नाममात्र टिड्डी (5-10 प्रति एकड़) प्राप्त हुई। सर्वे में पाया गया कि अब तक स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं आई है। ज़ब टिड्डी का दल (स्वार्म) फसल / वनस्पति पर बैठता है तभी यह फसल/वनस्पति को क्षति करता है। टिड्डी दल का आर्थिक कगार 10000 टिड्डियां प्रति हेक्टर यानि एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड्डी प्रति झाड़ी है। अभी इनकी संख्या नाममात्र ही हैं। टिड्डी दल का अब पड़ोसी राज्य राजस्थान में पाए जाने की रिपोर्ट है। किसान अपनी फसल पर टिड्डी दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिड्डी दल को ड्रम आदि से आवाज/शोरकर के हन्हें खेतों में बैठने से रोका जा सकता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत-कीट वैज्ञानिकों को भी इस बारे में निगरानी रखने के लिए सतर्क कर दिया गया है। यदि किसी किसान भाईयों को टिड्डियों के बारे में पता चले तो वह नजदीक के कृषि अधिकारी या कृषि विज्ञान केन्द्र व विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को तुरन्त अवगत करवाएं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... अमर उजाला .....
दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-4

टिड्डी की संख्या नाममात्र ही, स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं

किसानों के साथ एचएयू के कीट विज्ञान के अध्यक्ष व अन्य।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड्डी दल के बारे में सर्वे किया। इस दौरान कीट वैज्ञानिकों ने पाया कि जिले के चठ्ठा गांव में गिने चुने खेतों में नाममात्र टिड्डी (5-10 प्रति एकड़) प्राप्त हुई।

वैज्ञानिकों के मुताबिक अब तक स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं आई है। जब टिड्डी का दल (स्वार्म) फसल पर बैठता है, तभी यह फसल को क्षति पहुंचाता है। टिड्डी दल का आर्थिक कगार 10 हजार टिड्डियां प्रति हेक्टर यानी एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड्डी प्रति झाड़ी है। टिड्डी के दल पड़ोसी राज्य राजस्थान में पाए जाने की रिपोर्ट है।

वैज्ञानिकों के अनुसार किसान अपनी फसल पर टिड्डी दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिड्डी दल को ड्रम आदि से आवाज या शोर कर के इन्हें खेतों में बैठने से रोका जा सकता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक ट्रिब्यून......
दिनांक....29.1.2020...... पृष्ठ सं.....6........ कॉलम.....2-5.....

हरियाणा में टिड्डी दल की दस्तक, फिलहाल खतरा नहीं

हिसार, 28 जनवरी (निस)

- सिरसा क्षेत्र में 5-10 टिड्डी प्रति एकड़, फसल पर स्प्रे की जरूरत नहीं
- कृषि विज्ञानियों ने सिरसा, कालांवाली में किया सर्वे

राजस्थान से सटे सिरसा क्षेत्र में टिड्डी दल की दस्तक से ही क्षेत्र के किसान और कृषि विभाग के अधिकारी और वैज्ञानिक सतर्क हो गये हैं। कृषि विज्ञानियों का मानना है कि फिलहाल टिड्डी दल खतरनाक नहीं है। किसानों के बीच जाकर वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि सिरसा क्षेत्र में टिड्डी की संख्या नाममात्र ही है, इससे निपटने के लिए स्प्रे करने की जरूरत नहीं है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड्डी दल के बारे में सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चट्ठा गांव में गिने-चुने खेतों में नाममात्र टिड्डी (5-10 प्रति एकड़) है। कीट वैज्ञानिकों का कहना है कि जब टिड्डी का दल (स्वार्म) फसल/वनस्पति पर बैठता है, तभी यह फसल/वनस्पति को क्षति करता है। टिड्डी दल का आर्थिक कगार 10 हजार टिड्डियां प्रति हेक्टर यानि एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड्डी प्रति झाड़ी है। अभी इनकी संख्या नाममात्र ही है। कृषि वैज्ञानियों ने कहा कि किसान अपनी फसल पर टिड्डी दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिड्डी दल को ड्रम से आवाज करके इन्हें खेतों में बैठने से रोका जा सकता है।

टिड्डी प्रकोप की आशंका के मद्देनजर हेल्प डेस्क स्थापित

हिसार (हप): पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर आदि जिलों में टिड्डी के प्रकोप का फसलों पर प्रभाव देखने को मिला है। इस पर नियंत्रण के लिए कृषि विभाग ने जिला स्तर पर हेल्प डेस्क नंबर 01662-225715 की घोषणा की है। पौध संरक्षण अधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके मोबाइल नंबर 92158-09009 पर किसान टिड्डी दल के बारे में सूचना दे सकते हैं। किसी भी किसान भाई या अन्य किसी व्यक्ति को टिड्डी नजर आती है तो उसकी सूचना संबंधित कृषि विकास अधिकारी के हैल्प डेस्क नंबर पर दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि कीटनाशक स्प्रे टिड्डी दल के ठहराव के समय ही करें तथा हवा की दिशा में ही स्प्रे करें। क्योंकि यह स्प्रे उच्च स्तर का कीटनाशक है जो सिंचित क्षेत्र के लिए प्रतिबंधित है। सिंचित क्षेत्र के लिए किसान निर्धारित मात्रा में क्लोरेपायरिफॉस 20 प्रतिशत ईसी, क्लोरेपायरफॉस 50 प्रतिशत ईसी, डेल्टामेथलिन 2.8 प्रतिशत ईसी तथा लेम्बडासायलोथिन 5 प्रतिशत ईसी कीटनाशकों में से किसी भी एक को निर्धारित मात्रा में पानी के घोल के साथ टिड्डी प्रभावित क्षेत्र में स्प्रे करवाएं। उन्होंने कहा कि अभी ज्यादा खतरा नहीं है। इसलिए किसान घबरायें नहीं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 7-8

टिड्डी दिखाई दे तो हेल्प डेस्क नंबर पर दें सूचना

जागरण संवाददाता, हिसार : उप कृषि निदेशक डा. विनोद कुमार फौगाट ने बताया कि टिड्डी के प्रकोप से पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बिकानेर, जैसलमेर आदि जिलों में फसलों पर प्रभाव देखने को मिला है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, जिसका किसी व्यक्ति विशेष से कोई सरोकार नहीं है।

इसके नियंत्रण के लिए कृषि विभाग एवं पूरा प्रशासन बचाव कार्य में कार्यरत है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि टिड्डी से संबंधित सूचना के लिए जिला स्तर पर हैल्प डेस्क नंबर 01662-225715 स्थापित किया गया है। पौध संरक्षण अधिकारी डा. अरुण कुमार यादव को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके मोबाइल नंबर 92158-09009 पर किसान टिड्डी दल के बारे में सूचना दे सकते हैं। किसी भी किसान भाई या अन्य किसी व्यक्ति को टिड्डी नजर आती है तो उसकी सूचना संबधित कृषि विकास अधिकारी के हैल्प डेस्क नंबर पर दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इसके लिए किसानों को कुछ सुझाव, उपाय एवं सावधानियां बरतनी होंगी।

किसान अपने क्षेत्र में टिड्डी के प्रति सचेत रहें। उन्होंने बताया कि किटनाशक स्प्रे टिड्डी दल के ठहराव के समय ही करें तथा हवा की दिशा में ही स्प्रे करें। टिड्डी नियंत्रण विभाग द्वारा दवा का स्प्रे केवल पड़त, ओरण, गोचर एवं असिंचित क्षेत्रों पर ही किया जाएगा। क्योंकि यह स्प्रे बहुत ही उच्च स्तर का किटनाशक है जो सिंचित क्षेत्र के लिए प्रतिबंधित है। सिंचित क्षेत्र के लिए किसान निर्धारित मात्रा में क्लोरेपायरिफॉस 20 फीसद ईसी, क्लोरेपायरिफॉस 50 प्रतिशत ईसी, डेल्टामेथलिन 2.8 प्रतिशत ईसी तथा लेम्बडासायलोथिन 5 फीसद ईसी कीटनाशकों में से किसी भी एक को निर्धारित मात्रा में पानी के घोल के साथ टिड्डी प्रभावित क्षेत्र में स्प्रे करवाएं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 7

एचएयू का सर्वे : अभी टिड्डी की संख्या नाममात्र, स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड्डी दल के बारे में सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चट्ठा गांव में गिने चुने खेतों में 5 से 10 टिड्डी प्रति एकड़ प्राप्त हुई। सर्वे में पाया कि अब तक स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं आई है। जब टिड्डी का दल फसल व वनस्पति पर बैठता है तभी यह फसल या वनस्पति को क्षति करता है। टिड्डी दल का आर्थिक कगार 10 हजार टिड्डियां प्रति हेक्टेयर यानि एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड्डी प्रति झाड़ी है। अभी इनकी संख्या नाममात्र ही हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....सिटी पल्स....
दिनांक...28.1.2020.... पृष्ठ सं....4.... कॉलम...3-4....

टिड्डी की संख्या नाममात्र ही, स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड्डी दल के बारे में सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चट्ठ गांव में गिने चुने खेतों में नाममात्र टिड्डी (5-10 प्रति एकड़) प्राप्त हुई। सर्वे में पाया गया कि अब तक स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं आई है। जब टिड्डी का दल (स्वार्म) फसल / वनस्पति पर बैठता है तभी यह फसल / वनस्पति को क्षति करता है। टिड्डी दल का आर्थिक कगार 10000 टिड्डियां प्रति हेक्टर यानि एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड्डी प्रति झाड़ी है। अभी इनकी संख्या नाममात्र ही है। टिड्डी दल का अब पड़ोसी राज्य राजस्थान में पाए जाने की रिपोर्ट है। किसान अपनी फसल पर टिड्डी दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिड्डी दल को ड्रम आदि से आवाज / शोर कर के इन्हें खेतों में बैठने से रोका जा सकता है।

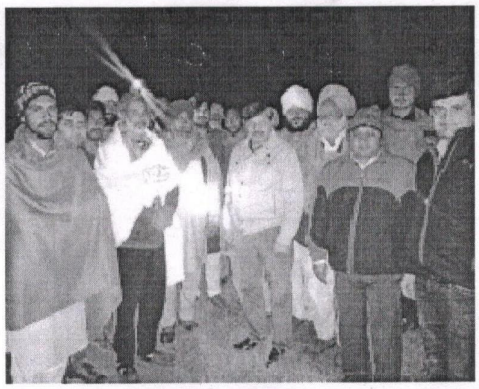

हिसार। कीट विज्ञान के अध्यक्ष व अन्य सिरसा जिलें के किसानों के साथ।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत कीट वैज्ञानिकों को भी इस बारे में निगरानी रखने के लिए सतर्क कर दिया गया है। यदि किसी किसान भाईयों को टिड्डियों के बारे में पता चले तो वह नजदीक के कृषि अधिकारी या कृषि विज्ञान केंन्द्र व विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को तुरन्त अवगत करवाएं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

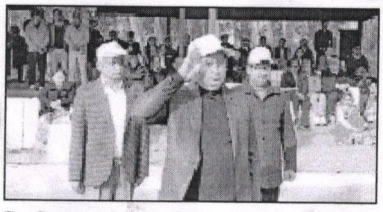

समाचार पत्र का नाम...........पंजाब केसरी...........
दिनांक 28.1.2020 .... पृष्ठ सं. 2 .... कॉलम 1-2

हर देश को अपने नागरिकों की सुरक्षा, देखभाल व संरक्षण का कर्त्तव्य व अधिकार-प्रो. सिंह

हिसार, 28 जनवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस उत्साह व हर्षोल्लास से मनाया गया। विश्वविद्यालय के हॉकी ग्राउंड के प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बैंड की मधुर धुन के बीच तिरंगा फहराया। इस अवसर पर लुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दहिया की अगवानी में विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के एन.सी.सी. कैडेट्स तथा एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की टुकड़ियों का निरीक्षण किया और परेड की सलामी ली। समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय समुदाय को इस पावन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर देश को अपने नागरिकों की सुरक्षा व उनकी देखभाल व उनके संरक्षण का कर्त्तव्य व अधिकार है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....नभ छोर........
दिनांक 28.1.2020 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 1-4

विश्वविद्यालय और देश को विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं : सिंह

हिसार/28 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर हॉकी ग्राउंड में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बैंड की मधुर धुन के बीच तिरंगा फहराया। इस अवसर पर लुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया की अगवानी में विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के एनसीसी कैडेट्स तथा एनएसएस स्वयंसेवकों की टुकड़ियों का निरीक्षण किया और परेड की सलामी ली। प्रो. सिंह ने कहा कि हर देश को अपने नागरिकों की सुरक्षा व उनकी देखभाल व उनके संरक्षण का कर्तव्य व अधिकार है। सभी देशों का यह प्रयास रहता है कि वह अपने देश के नागरिकों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं प्रदान करें जिसके लिए वह समय समय पर नई नई स्कीम लागू करते हैं। देश के संसाधनों का वह अपने नागरिकों के लिए उपयोग करता है न कि अनाधिकृत लोगों के लिए। बहुत से देशों ने अनाधिकृत लोगों को अपने देश में अवैधानिक तौर पर प्रवेश करने के लिए अलग अलग तरीके अपनाए हैं उदाहरण के तौर पर अमेरिका, मैक्सिको से आने वाले अनाधिकृत लोगों को रोकने के लिए दीवार बना रहा है तथा चीन ने भी पहले से ही ऐसी दीवार का निर्माण किया हुआ है। उन्होंने कहा मुझे बहुत खुशी है कि जिस उद्देश्य से इस विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी उसको पूरा करने में हम सफल हुए हैं। विश्वविद्यालय में पहले चार महाविद्यालय थे जिसमें नये चार महाविद्यालयों की ओर शुरूआत की गई है जिसमें इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट एण्ड एग्रीप्रीन्यूरशिप, गुरूग्राम, मत्स्य महाविद्यालय, हिसार कृषि महाविद्यालय, बावल व कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी शामिल है। लाईन डिपार्टमेंट के साथ तालमेल हेतू पंचकूला में यूनिवर्सिटी लाईन डिपार्टमेंट कोरडिनेशन सेंटर (यूएलडीसीसी) की स्थापना की गई है जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा न केवल जमीन बल्कि उसके लिए फंड भी प्रदान किये हैं। सेंटर ऑफ प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जो कि विश्वविद्यालय का हिस्सा हो गया है उसमें बड़े स्तर पर माईक्रोप्रोपेगेशन व बायोनैनोटेक्नोलॉजी पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से विशेष अनुरोध किया कि इस विश्वबिद्यालय और देश को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ना चाहिए और देश व विदेश में अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन करना चाहिए। विश्वविद्यालय ने उनके लिए अनेक योजनाएं तथा कार्यक्रम आरंभ किए हैं जो उनके लिए बहुत लाभदायक साबित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय तथा कैंपस स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें साक्षी मलिक व शैलेन्द्र ने मंच संचालन, दीप्ती सहरावत, कृष व डेजी ने कविता प्रस्तुत की।

समाचार पत्र का नाम .... नभ छोर ....

दिनांक ..28 . 1 . 2020.... पृष्ठ सं. ....7.... कॉलम ....1-4....

हकृवि वैज्ञानिकों को मिले एजीमैट 2020 विभिन्न पुरस्कार

हिसार/28 जनवरी/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार ऑन एग्रो मैटरोलॉजिकल इन्टरवेन्शनस फॉर एन्हान्सिंग फार्मर्स इनकम (एजीमैट 2020) विषय पर विभिन्न पुरस्कार प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस राष्ट्रीय सेमिनार की विभिन्न प्रतियोगिताओं में डॉ. कृष्णा रोहलानिया, डॉ. करमल सिंह मलिक, करिश्मा नन्दा व ममता ने अपने-अपने विषय पर प्रस्तुति दी। वैज्ञानिक श्रेणी की थीम सात में डॉ. कृष्णा रोहलानिया और डॉ. पाला राम द्वारा आऊटब्रेक ऑफ वाईटफ्लाई ऑन कॉटन इन हरियाणा विषय पर प्रस्तुतीकरण को प्रथम स्थान, थीम नौ में डॉ. संदीप आर्य, डॉ. करमल सिंह, डॉ. शिव कुमार लोहान और डॉ. ओपी टोकी द्वारा ईकोलॉजिकल रोल ऑफ खेजडी ट्रीज ईन रीजीलिएनस ऑफ एग्रीकल्चर ईन सेमी-ऐरिड लैंड्सकेप्स ऑफ हरियाणा एवं राजस्थान लोकेटेड ईन द वेर्स्टन पार्टस ऑफ इंडिया, विषय पर प्रस्तुतीकरण को द्वितीय स्थान प्राप्त किये। छात्र श्रेणी की थीम नौ में करिश्मा नन्दा, डॉ. संदीप आर्य व डॉ. पवन कुमार पुनिया द्वारा मीटीगेशन ऑफ क्लाईमेट चेन्ज थरो मीलिआडूबिआ बेसड एग्रोफोरेस्ट्री सिस्टमस ईन सेमी-ऐरिड जॉन ऑफ इंडिया विषय पर प्रस्तुतीकरण को द्वितीय स्थान व ममता, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ.अनिल कुमार, डॉ.दिवान सिंह एंड अमित सिंह द्वारा एक्सट्रीम टैम्परेचर एंड रेनफॉल वैदर ईवेन्टस ईन हरियाणा, इंडिया फॉर द पीरियडस फॉर्म 1985-2014 एंड ईटस पॉसीबल ईम्पक्टस विषय पर प्रस्तुतीकरण को प्रथम स्थान प्राप्त किये।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.......पाठक पक्ष.......

दिनांक 28.1.2020 .... पृष्ठ सं. 5 .... कॉलम 3-7

हकृवि के वैज्ञानिकों व छात्रों ने केरल सेमिनार में मचाई धूम जीते कई अवार्ड

हिसार, 28 जनवरी (निस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार ऑन एग्रो मैटरोलॉजिकल इन्टरवेन्शनस फॉर एन्हान्सिंग फॉरमरस ईनकम (एजीमैट 2020) विषय पर विभिन्न पुरस्कार प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस राष्ट्रीय सेमिनार की विभिन्न प्रतियोगिताओं में डॉ. कृष्णा रोलानीया, डॉ. करमल सिंह मलिक, करिशमा नन्दा व ममता ने अपने अपने विषय पर प्रस्तुति दी। वैज्ञानिक श्रेणी की थीम सात मे डॉ.कृष्णा रोलानीया और डॉ. पाला राम द्वारा आऊटब्रेक ऑफ व्हाईटफलाई ऑन कॉटन ईन हरियाणा विषय पर प्रस्तुतीकरण को प्रथम स्थान, थीम नौ में डॉ.संदीप आर्य, डॉ.करमल सिंह, डॉ.शिव कुमार लोहान और डॉ.ओ.पी. टोकी द्वारा ईकोलोजिकल रोल ऑफ खेजडी ट्रीज ईन रीजीलिएन्स ऑफ एग्रीकल्चर ईन सेमी-ऐरिड लैंडसकेपस ऑफ हरियाणा एवं राजस्थान लोकेटेड ईन द वेस्टर्न पार्टस ऑफ इंडिया, विषय पर प्रस्तुतीकरण को द्वितीय स्थान प्राप्त किये। छात्र श्रेणी की थीम नौ में करिशमा नन्दा, डॉ. संदीप आर्य व डॉ. पवन कुमार पुनिया द्वारा मीटीगेशन ऑफ क्लाईमेट चेन्ज थरो मीलिआडूबिआ बेसड एग्रोफोरेस्ट्री सिस्टमस ईन सेमी-ऐरिड जॉन ऑफ इंडिया विषय पर प्रस्तुतीकरण को द्वितीय स्थान व ममता, डॉ.सुरेन्द्र सिंह, डॉ.अनिल कुमार, डॉ.दिवान सिंह एण्ड अमित सिंह द्वारा एक्सट्रीम टैम्परेचर एण्ड रैनफॉल वैदर ईवेन्टस ईन हरियाणा, इंडिया फॉर द पीरियडस फरोम 1985-2014 एण्ड ईटस पॉसीबल इम्पैक्टस विषय पर प्रस्तुतीकरण को प्रथम स्थान प्राप्त किये।